

मजदूरों से बड़े-बड़े गड्ढे पटवा दिए गए 2. करज या देनदारी पटवाना यथा- मालिक ने नौकर का सारा कर्ज पटवा दिया 3. आच्छादित करना, छत डलवाना 4. खेत सिंचवाना, पानी से तर करवाना 5. (पटाना का प्रेरणार्थक) पीड़ा या दर्द दूर करवाना, मिटवाना, शांत कराना 6. किसी के माध्यम से मुग्ध करना, किसी अन्य के द्वारा मुग्ध करना।

**पटवारगिरी स्त्री.** (देश.+फा.गरी) 1. पटवारी का काम करना यथा- मैं तीस वर्ष से पटवारगिरी कर रहा हूँ 2. पटवारी का पद यथा- अब पटवारगिरी किसी अनुभवी व्यक्ति को ही मिलनी चाहिए।

**पटवारी पुं.** (देश.) 1. ऐसा सरकारी कर्मचारी जो गाँव की जमीन और उसके लगान का पूरा हिसाब किताब रखता है, उपज और मालगुजारी का लेखा रखने वाला 2. रानियों तथा बेगमों को वस्त्र-आभूषण पहनाने का कार्य करने वाली दासी।

**पटवास पुं.** (तत्.) 1. कपड़े से बना हुआ घर, तंबू, खेमा 2. वस्त्रों को सुगंधित करने के लिए प्रयोग में आने वाला पदार्थ, वस्तु या चूर्ण 3. छावनी, शिविर 4. लहँगा।

**पटसन पुं.** (देश.) 1. एक ऐसा पौधा जिसके रेशों को बुनकर रस्सी, टाट, बोरी आदि बनाई जाती है 2. जूट।

**पटहंसिका स्त्री.** (तत्.) संपूर्ण जाति की एक रागिनी जिसमें सभी शुद्ध स्वर लगते हैं।

**पटह पुं.** (तत्.) 1. दुंदुभी, नगाड़ा, डंका 2. डुगडुगी 3. ढोल 4. किसी नए काम में हाथ डालना, प्रवेश करना, आरंभ करना 4. किसी को क्षति पहुँचाना 5. हिंसा।

**पटा पुं.** (तद्.) 1. लोहे की बनी, लगभग दो-ढाई हाथ लंबी एक ऐसी पट्टी जो दूसरों के वार रोकने अथवा स्वयं वार करने की कला का अभ्यास करने में प्रयुक्त होती है 2. पीड़ा, पटरा, जिसका बैठने के लिए प्रयोग किया जाता है 3. लंबी लकीर, धारी 4. चटाई 5. अधिकार

पत्र, सनद, पट्टा 5. पगड़ी, राजाओं द्वारा किसी विशिष्ट सफलता की प्राप्ति या वीरता के प्रदर्शन पर सिर पर सुशोभित किए जाने वाली कलगी 6. लेन-देन, क्रय-विक्रय, सौदा, व्यापार मुहा. पटा-फेर- वर वधू के धोये आसन जो विवाह की रस्म में परस्पर बदले जाते हैं; पटा-बाँधना- किसी एक को पटरानी बनाना या प्रधान बनाना।

**पटाई स्त्री.** (देश.) 1. पटाने की क्रिया, भाव 2. सिंचाई करना 2. पाटने की क्रिया या भाव 3. पाटने की मजदूरी, पारिश्रमिक 4. ऋण अदा करने या चुकता करने की क्रिया।

**पटाक पुं.** (अनु.) किसी वस्तु के गिरने से उत्पन्न होने वाला स्वर या शब्द, किसी भारी वस्तु के टकराने से उत्पन्न शब्द यथा- वह ऊँचाई से पटाक गिरा, अथवा चोर के मुँह पर पटाक-पटाक तमाचे जड़ दिए पुं. (तत्.) एक विशेष प्रकार का पक्षी।

**पटाका पुं.** (अनु.) 1. जलाने पर पटाक शब्द उत्पन्न करने वाली एक प्रकार की आतिशबाजी 2. पटाके के छूटने पर सुनाई देने वाली ध्वनि 3. कोड़े की आवाज 4. तमाचा, चपत या थप्पड़ मारने की आवाज स्त्री. 'पताका', ध्वजा, झंडा।

**पटाक्षेप पुं.** (तत्.) 1. परदा गिरना अथवा गिराना 2. अभिनय के दौरान रंगमंच पर नाटक के पहले, दूसरे या तीसरे अंक की समाप्ति पर कुछ विराम हेतु परदा गिरना 3. लाक्षणिक अर्थ में किसी कार्य की समाप्ति यथा- तीन वर्ष बाद इस घटना का पटाक्षेप हुआ।

**पटाखा पुं.** (अनु.) पटाका।

**पटाना स.क्रि.** (देश.) 1. किसी गड्ढे आदि को अथवा गहरे स्थान को भरकर आसपास की जमीन को बराबर करना, पाटने का काम करना 2. ऋण चुकाना 3. कोठे की छत तैयार कराना 4. मोल-भाव करके सौदा तय करना 5. कम होना, घटना यथा- सूजन पटाना 6. शांत और स्थिर होना 7. कार्य पूरा करने के लिए कोई क्रिया संपन्न कराना।